कमांक 2169-ज(II)-81/44089.—श्री रामजी लाल, पुत्र श्री मंगल, गांव बच्वा, तह्सील कोसली, जिला रोहतक, की दिनांक 23 जून, 1975 को हुई मृत्यु के परिणामस्वक्ष्य हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार ग्रिधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में भपनाया गया है भीर भाज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए) (१ए) तथा 3(१ए) के भधीन प्रदान, की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री रामजी लाल को मुबलिंग 150 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की श्रधसूचना क्रमांक 6093-र-4-67/ 4503, दिनांक 29 नवम्बर, 1967 तथा श्रधसूचना क्रमांक 5041-ग्रार-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 द्वारा मन्जूर की गई थी, श्रव उसकी विधवा श्रीमती धन कौर के नाम रबी, 1976 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के श्रन्तर्गत प्रदान करते हैं।

दिनांक 22 दिसम्बर, 1981

क्रमांक 2335-ज-I-81/45088.—श्री गौरधन सिंह, पुत्र श्री चुनी लाख, गांव सिंहोर, तहसील व जिला महेन्द्रगढ़, की दिनांक 11 जून, 1981 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्याल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार प्रधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है भौर आज तक संशोधत किया गया है) की घारा 4 एवं 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अजीत प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री गोरधन सिंह को मुबलिग 300 घपये वार्षिक की जागीर जो उसे पंजाब/हरियाणा सरकार की अधिसूचना कमांक 2449-जे.एन.—III-66/4842, दिनांक 26 मार्च, 1966, 5041-अ र-I(1-7)/29505, दिनांक 8 दिनजर, 1970 तथा 1789-ज(1)-79/44040, दिनांक 30 अस्तूबर, 1979 द्वारा मंत्रूर की गई थी, अब उत्ती विश्वत श्रीन विश्वती घोषड़ी के नाम रश्री, 1982 से 300 घपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्ती के पन्तर्गत प्रदान करते हैं।

क्रमांक 2361-ज(1)-81/45092 — पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार मधिनियम, 1948 (जैसा कि एसे हरियाणा राज्य में धपनाया गया है भीर उसमें भाज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के भनुसार सौंपे गए प्रधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री किशोरी लाल, पुत्र श्री चूना राम, ग्राम कनूका, तहसील बावल, जिसा महेन्द्रगढ़, को रबी, 1966 से रबी, 1970 तक 100 रुपये वार्षिक, खरीफ 1970 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई भर्ती के भनुसार सहुषे प्रदान करते हैं।

कर्मां 2209-ज(I)-81/45191. — पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार प्रधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में ग्रानाया गया है भीर उसमे भाज तक संशोधन किया गया है) की धारा (2ए)(1ए) तथा 3(1ए) के भनुसार सींपे गए भिन्नारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्रोमित सारती, विश्वा श्री नेकी राम, गांव व तहसील ववानी खेड़ा, जिजा मिनानी, को रही, 1968 से रबी, 1970 तक 100 रुपये वार्षिक, खरीक 1970 से खरीक, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी कई शतों के धनुसार सहबं प्रदान करते हैं।

दिनांक 8 जनवरी, 1982

क्यांक 2357-ज-I-81/961.--श्री सोभ राज, पुत्र भी दौलत राम, गांव भिवानी, तहसीख द जिला भिवानी, की दिनांक 3 घप्रैल, 1981, को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार धाविषयम, 1948 (जसा कि ससे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है भीर आज तक संबोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2 (ए) (1ए) तथा 3(1ए) के प्रधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए भी सोभ राज को मुक्तिग 300 रुपये वार्षिक की आवीर को ससे हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 562-ज-I-76/13148, दिनांक 4 मई, 1976 तथा 1789-ज-I-79/44040, दिनांक 30 प्रक्तूबर, 1979, द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती ज्ञान देवी के मान खरीक, 1981 से 300 रुपये वार्षिक की दर से समद में दी गई शर्तों के धन्तगंत प्रवान करते हैं।

दिनांक 12 जनवरी, 1982

कमांक 2484-ज (II)-81/1223.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार ग्रिविनयम, 1948 (जैसा कि एसे हरियाणा राज्य में भपनाया गया है भी द उसमें भाज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (१ए) तथा 3(१ए) के अनुसार सौंपे गए अधिकारों का प्रयोग करते हए हरियाणा के राज्यपाल श्री अनूप सिंह, पुत्र श्री मनशा राम, गांव कुलासी, तहसील बहादुरगढ़, जिला रोहतक, को रबो, 1973 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत बाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहषे प्रदान करते हैं।